कार्यपत्र-16

1. सही उत्तर पर ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) रेखांकित	(i) रेखा से अंकित ✓
(ख) घनश्याम	(iii) घन के समान श्याम ✓
(ग) लंबोदर	(i) लंबा है उदर जिसका ✓
(घ) आमरण	(iii) मृत्यु तक ✓
(ङ) पंचवटी	(i) पाँच वटों का समूह ✓

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल की प्रक्रिया को समास कहते हैं;
जैसे– छात्र + आवास = छात्रावास

(ख) शब्दों के समूह को मिलाकर जो नया शब्द बनता है वह समस्त पद कहलाता है तथा समस्त पदों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास विग्रह कहलाता है।

(ग) समास के छह भेद हैं– 1. अव्ययीभाव – भरपेट, 2. तत्पुरुष – शरणागत, 3. कर्मधारय – महापुरुष
4. द्विगु – चौराहा 5. द्वंद्व – रात-दिन 6. बहुव्रीहि – लंबोदर

(घ) कर्मधारय समास के दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय का संबंध होता है जबकि बहुव्रीहि समास के दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं। जैसे–
पीतांबर – पीत (पीला) है जो अंबर (कर्मधारय समास)
पीतांबर – पीले (पीला) हैं अंबर (वस्त्र) जिसके अर्थात् श्रीकृष्ण (बहुव्रीहि समास)

3. दिए गए सामासिक पदों का समास-विग्रह करके भेद बताइए।

	समास विग्रह	भेद
(क) गिरिधर	गिरि को धारण करने वाला है जो (श्रीकृष्ण)	बहुव्रीहि
(ख) चवन्नी	चार आनों का समूह	द्विगु
(ग) महापुरुष	महान है जो पुरुष	कर्मधारय
(घ) चरणकमल	कमल के समान चरण	कर्मधारय
(ङ) चौराहा	चार राहों का समूह	द्विगु
(च) हथकड़ी	हाथ की कड़ी	तत्पुरुष

4. समास-विग्रह का सामासिक पद लिखकर भेद बताइए।

	सामासिक पद	भेद
(क) तीन फलों का समूह	त्रिफला	द्विगु
(ख) लोक में प्रिय	लोकप्रिय	तत्पुरुष
(ग) चंद्र के समान मुख	चंद्रमुख	कर्मधारय
(घ) जितना शीघ्र हो	यथाशीघ्र	अव्ययीभाव
(ङ) पीत हैं अंबर जिसके	पीतांबर	बहुव्रीहि
(च) गुरु-शिष्य	गुरु और शिष्य	द्वंद्व